ईश्वर और हथियार
[God and Weapons]

➢ **हथियारः—** किसी भी हथियार का प्रयोग केवल दो प्रकार क कार्यों में लिया जाता है –

1. आत्मरक्षा/सुरक्षा/बचाव आदि के लिए
2. किसी को मारने/घायल/अघात आदि के लिए

➢ भगवान/ईश्वर/गॉडः—

संसार का संचालन करने वाला या सृष्टि की रचना करने वाला, जो सर्वोच्च शक्तिमान हो उसे दुनिया भर में भगवान/ईश्वर/गॉड/अल्लाह आदि के नाम से जाना जाता है।

➢ ईश्वर को रक्षा की आवश्यकता –

कोई भी व्यक्ति किसी भी हथियार को अपने पास उपरोक्त दो प्रकार के लिये ही अपने पास रखता है इसका सीधा अर्थ यह होता है कि किसी भी धर्म में किसी भी ईश्वर के पास किसी भी रूप में यदि हथियार पाया जाता है तो उसका उद्देश्य भी मात्र यही होना चाहिए कि आत्मरक्षा के लिए या फिर किसी को मारने के लिए। तब यहाँ एक प्रश्न खड़ा होता है कि यदि हथियार का प्रयोग केवल रक्षा करने या मारने के लिए किया जाता है तो हिंदू धर्म के सभी देवी, देवताओं, भगवानों, ईश्वर के हाथों में जो हथियार है वो किस्से रक्षा के लिए, अपने पास धारण किए हुए हैं क्या ईश्वर को किसी देवी देवताओं को किसी से किसी प्रकार का कोई डर ह?, या जानमाल का डर है, या अन्य किसी प्रकार का कोई डर है, क्योंकि वो खुद भगवान या ईश्वर है तो क्या ईश्वर को भी रक्षा की आवश्यकता होती है?

➢ ईश्वर किसको मारना चाहता है? –

यदि ईश्वर को किसी से डर नही लगता तो क्या देवी देवता, भगवान, ईश्वर ने जो हथियार धारण किए हैं क्या किसी को मारने के लिए धारण किए हैं? और यदि किसी को मारने के लिए किए हैं तो किस को मारने के लिए किए हैं इंसान को, जानवर को या किसी अन्य जीव जंतु को, या ऐसी कोई शक्ति जो इनके अलावा पृथ्वी पर है जिसका न कोई अस्तित्व है ना कोई प्रमाण है ना कोई रूप है ना कोई आकार है और यदि ऐसा है तो उस पर हथियार का क्या कोई प्रयोग हो पाना सफल है? क्या ईश्वर ने इन हथियारों का इस्तेमाल हिंदू धर्मग्रंथों के अनुसार किसी इंसान, राक्षस, अधर्मी या किसी पापी को मारने हेतु अपने पास रखें हैं?

➢ ईश्वर का अवतार भारत में ही क्यों?–

तब समझ में ये आता है कि शायद ईश्वर इंसान को मारने के लिए तो इनका प्रयोग नहीं कर सकता। इसका मतलब ईश्वर ने उनको धारण करके इसलिए रखा है कि ताकि राक्षस, अधर्मी, पापी, दैत्य दानव आदि को मार सकें। लेकिन कौन से राक्षस, दानव, दैत्य, अधर्मी, पापी को?, ये कहाँ पाए जाते हैं?, पृथ्वी पर किस देश में रहते हैं? किस वेश–भूसा में रहते है? इनकी प्रजाति, इनके कबीले, इनके गांव, शहर कहाँ पाए जाते हैं? क्या भारत में पाए जाते हैं और अगर भारत में पाए जाते हैं तो कहाँ पाए जाते हैं? क्या भारत से बाहर पाए जाते हैं अगर भारत से बाहर पाए जाते हैं तो कहाँ पाए जाते हैं? और अगर भारत से बाहर पाए जाते हैं तो सभी देवी–देवताओं ने भारत में क्यों अवतार लिया अन्य अन्य जगहों पर क्यों अवतार नहीं लिया?

➢ ईश्वर अवतार के बाद भी –

यदि देवी देवताओं ने, ईश्वर ने, भगवान ने इन हथियारों को धारण इसलिये किया है कि किसी अधर्मी, पापी, दानव, राक्षस, आदि को मारने के लिए, तो फिर दुनिया में इतना अधर्म क्यों हो रहा है, इतने पापी जिंदा कैसे है? क्या ईश्वर को ये पापी और अधर्मी दिखाई नहीं देत?, क्या ईश्वर को अपनी बनाई दुनिया में अधर्म, पाप, दुष्ट, अच्छा बुरा नही दिखाई देता। पापी और अधर्मीयों को समाप्त क्यों नहीं करता? या हथियारों को केवल डराने हेतु अपने पास धारण किए हैं?

➢ ईश्वर/भगवान अपडेट क्यों नही?–

ईश्वर/भगवान के पास भाला, त्रिशूल, गदा, तीर, ढाल, चक्र, तलवार, धनुष, फरसा अन्य बहुत सारे हथियार है किंतु उनके पास कोई आधुनिक हथियार जैसे मिसाइल, राइफल, बंदूक, मशीन गन ग्रेनाइट आदि क्यों नहीं है? क्या ईश्वर को इन सब हथियारों का ज्ञान नहीं है? और यदि ज्ञान है तो अपने पास क्यों धारण नहीं किए? ईश्वर या भगवान अपडेट क्यों नहीं है? ईश्वर से ज्यादा खतरनाक हथियारों का आविष्कार तो इंसानों ने किया हैं।

➢ ईश्वर ने स्वयं के हथियार क्यों नहीं बनाये? –

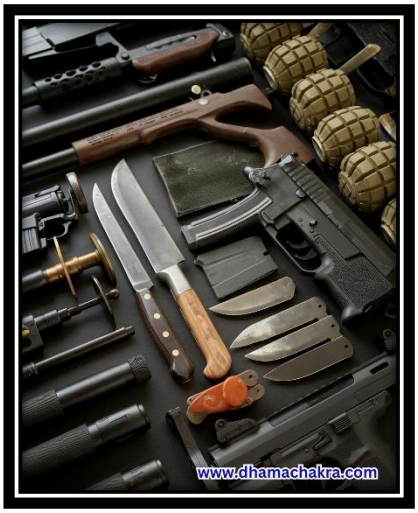

भगवान, ईश्वर, देवी–देवताओं के हाथों में जो हथियार जैसे भाला, त्रिशूल, गदा, तीर, ढाल, चक्र, तलवार, धनुष, फरसा आदि जैसे हथियार तो इंसानो ने इजाद किए हैं। क्या ईश्वर इंसानो द्वारा इजाद की हुई चीजों को अपने पास धारण करता है? ईश्वर ने अपने स्वयं के हथियार क्यों नहीं बनाये? उसको मानव द्वारा निर्मित हथियारों की क्या आवश्यकता पड़ी, क्या ईश्वर हथियारों का इजाद नहीं कर सकता? यदि कर सकता है तो क्यों नहीं करता? क्योंकि इंसान इस धरती पर एक तुच्छ प्राणी हैं जिसके न जीवन का पता है ना मरण का। वह तोप मिसाइल, राइफल, मशीन, ग्रेनाइट बम और अन्य न जाने कितने आधुनिक हथियार का आविष्कार कर चुका, तो फिर ईश्वर क्यों नहीं करता?

➢ ईश्वर के पास आधुनिक हथियारों का अभाव –

शायद बहुत सारे लोगों को यह ज्ञात नहीं है कि भारत के इतिहास को तीन भागों में बांटा गया है नंबर एक प्राचीन कालीन इतिहास, नंबर दो मध्यकालीन इतिहास और नंबर तीन आधुनिक कालीन इतिहास। बहुत सारे लोगों को यह ज्ञात नहीं होगा को नंबर तीन पर आधुनिक कालीन इतिहास को इतिहासकारों ने आधुनिक कालीन इतिहास क्यों कहा। लगभग सोलवी ईवीं के प्रारंभ में जब अंग्रेज भारत में आए तो वह भारत में विभिन्न प्रकार के आधुनिक सामान, उपकरण या जरूरत की आवश्यक चीजो को अपने साथ लेकर भारत में आए। ऐसी चीजें भारत में पहले कभी देखी नहीं गयी थी उसको अंग्रेजों द्वारा भारत में लाया गया जो सभी के लिए आश्चर्यजनक था इसलिए उन सभी चीजों को आधुनिक कहा गया इसीलिए इतिहासकारों ने उस समय से लेकर, वर्तमान समय तक के इतिहास को आधुनिक कालीन इतिहास कहा। क्योकि अंग्रेजो के भारत आने तक हिन्दू धर्म ग्रन्थों को लिखा गया था उसके बाद आधुनिकता और शिक्षा ने हमारे देश में जन्म लिया, जिसके कारण सभी देवी–देवताओं का धरती पर अवतार लेना बन्द हो गया। ईश्वर और भगवान ने मानव द्वारा निर्मित हथियारों को ही अपने पास सीमित रखा।

➢ भगवान और भूत –

भगवान और भूतः बहुत सारे लोगों का विश्वास होता है कि भगवान और भूत होते हैं वहीं बहुत सारे लोगो का, खास तौर पर नास्तिक लोगों का विश्वास होता है कि न तो भगवान होते हैं और न ही भूत। इसमें सही कौन है?

एक महान दार्शनिक ए.जे.एयर के अनुसार जो लोग ये कहते हैं कि मैंने ''भगवान और भूत'' देखा है या सपने में देखा है तब यहाँ पर ए.जे.एयर कहते हैं कि आपने पहचाना कैसे की जिसे आपने देखा है वह भगवान है या भूत? क्योंकि आप किसी को तब पहचान सकते हैं जब आपने उससे पहले उसे देखा हो, और यदि आपने उसे पहले देखा ही नहीं है तो पहचाना कैसे? इसका मतलब यह है कि आपको बचपन से किसी चीज के बारे में जैसा बताया और सुनाया गया है वैसे ही दिखाई देता है उससे अलग कुछ भी नहीं।

- मानव हर पल अपडेट होता है हर पल कुछ न कुछ छोड़ता है और कुछ ना कुछ बनाता है लेकिन ईश्वर जैसा दिखाई देता है जैसा बनाया गया है वह सब मानव की कल्पना की आधार पर आधारित किया गया है इसके अलावा कुछ भी नहीं।

➢ ईश्वर ने अपनी भाषा और लिपि क्यों नही बनाई? –

भाषा और लिपिः दुनिया की सारी भाषा और लीपिया मानव ने अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए कहने, सुनने और लिखने के लिए इजाद की। जिससे दुनिया भर के सभी इंसान अपनी अपनी भाषा और लीपियां में अपनी आपनी बातों और भावनाओं को व्यक्त करते हैं इसीलिए गॉड अंग्रेजी भाषा का शब्द तथा रोमन लिपि में लिखा जाता है, ईश्वर और भगवान हिन्दी भाषा में, देवनागरी लिपि में लिखा जाता है ठीक इसी प्रकार दुनिया भर की अलग अलग भाषाओं और लिपियों में गॉड ईश्वर भगवान आदि लिखा जाता है। जिसे इंसान दुनिया का संचालक कहता है इस सृष्टि को चलाने वाला कहता है उसने अपनी भाषा और लिपि का इजाद क्यों नहीं किया? और यदि किया है तो ईश्वर ने अपनी भाषा और लिपि में खुद को क्या कहा और लिखा?

➢ ईश्वर के प्रति पेरियार के विचार –

महान तर्कशील, नास्तिक और समाज–सुधारक पेरियार के द्वारा ईश्वर से क्या क्या सवाल किये गए। हालाँकि ये सवाल कहने को तो ईश्वर को संबोधित हैं –

1. क्या तुम कायर हो जो हमेशा छिपे रहते हो, कभी किसी के सामने नहीं आते?
2. क्या तुम खुशामद परस्त हो जो लोगों से दिन रात पूजा, अर्चना करवाते हो?
3. क्या तुम हमेशा भूखे रहते हो जो लोगों से मिठाई, दूध, घी आदि लेते रहते हो ?
4. क्या तुम मांसाहारी हो जो लोगों से निर्बल पशुओं की बलि मांगते हो?
5. क्या तुम सोने के व्यापारी हो जो मंदिरों में लाखों टन सोना दबाये बैठे हो?
6. क्या तुम व्यभिचारी हो जो मंदिरों में देवदासियां रखते हो ?
7. क्या तुम कमजोर हो जो हर रोज होने वाले बलात्कारों को नही रोक पाते?
8. क्या तुम मूर्ख हो जो विश्व के देशों में गरीबी–भुखमरी होते हुए भी अरबों रुपयों का अन्न, दूध, घी, तेल बिना खाए ही नदी नालों में बहा देते हो?
9. क्या तुम बहरे हो जो बेवजह मरते हुए आदमी, बलात्कार होत हुए मासूमों की आवाज नहीं सुन पाते?
10. क्या तुम अंधे हो जो रोज अपराध होते हुए नहीं देख पाते?
11. क्या तुम आतंकवादियों से मिले हुए हो जो रोज धर्म के नाम पर लाखों लोगों को मरवाते रहते हो?
12. क्या तुम आतंकवादी हो जो ये चाहते हो कि लोग तुमसे डरकर रहें?
13. क्या तुम गूंगे हो जो एक शब्द नहीं बोल पाते लेकिन करोड़ों लोग तुमसे लाखों सवाल पूछते हैं?
14. क्या तुम भ्रष्टाचारी हो जो गरीबों को कभी कुछ नहीं देते जबकि गरीब पशुवत काम करके कमाये गये पैसे का कतरा–कतरा तुम्हारे ऊपर न्यौछावर कर देते हैं?
15. क्या तुम मुर्ख हो कि हम जैसे नास्तिकों को पैदा किया जो तुम्हे खरी खोटी सुनाते रहते हैं और तुम्हारे अस्तित्व को ही नकारते हैं?

संदर्भ सूची (Bibliography)–

- बुक्स
- इंटरनेट
- सोसल मीडिया

कपिल बौद्ध (LL.B)